



Microfinance Institutions Network (MFIN)

Village Financial Services case study

Coverage Report

May 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Arthik Dhaara	Print
2.	Arthik Lipi	Print
3.	Dainik Jagran	Print
4.	Janpath Samachar	Print
5.	The Statesman	Print
6.	Sambad Prabaha	Print
7.	Himalayan Mirror	Print
8.	The Echo Of India	Print

Publication	Arthik Dhaara
Edition	Hooghly
Date	11 th May, 2019
Page No.	04

माइक्रो फाइनेन्स महिला उद्यमियों को एक सहायता देता है

विलेज फाइनेन्सियल सर्विसेज (VFS) एक गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनी-माइक्रो फाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन (NBFC-MFI) है। यह महिलाओं को माइक्रो-क्रेडिट सेवायें प्रदान करती है, वीएफएस ने कई महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वीएफएस एक माइक्रो फाइनेन्स कम्पनी है जो भारतीय रिजर्व बैंक के तहत NBFC-MFI के रूप में पंजीकृत है, वर्ष 2005 में माइक्रो फाइनेन्स की शुरुआत की थी और अब तक इन्होंने कई महिला उद्यमियों को ऋण प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद की है। आज वीएफएस देश के 11 राज्यों में मौजूद है, प. बंगाल, बिहार, झारखण्ड, असम, त्रिपुरा, सिक्किम और ओड़िसा कुछ ऐसे राज्य हैं तथा 223 शाखा कार्यालयों के माध्यम से 67 जिलों में उपस्थित हैं। कम्पनी आय सृजन गतिविधियों के लिये माइक्रो-क्रेडिट का विस्तार करके 6 लाख से अधिक ग्राहकों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में सक्षम रही है। रिजर्व बैंक सभी NBFC-MFI की नियमित देखरेख करती है।

Publication	Arthik Lipi
Edition	Hooghly
Date	08 th May, 2019
Page No.	07

মহিলা উদ্যোগীদের সহায়তা দিচ্ছে মাইক্রোফিন্যান্স

স্টাফ রিপোর্টার: ভিলেজ ফিন্যান্সিয়াল সার্ভিসেস (ভিএফএস) একটি নন-ব্যাঙ্কিং ফিন্যান্সিয়াল কোম্পানি-মাইক্রোফিন্যান্স ইনস্টিটিউশন(এনবিএফসি-এমএফআই)। ভিএফএস মহিলাদের মাইক্রোক্রেডিট পরিষেবা প্রদান করে থাকে। ফলে বহু মহিলা উদ্যোগীদের সফল হয়ে উঠতে মুখ্য ভূমিকা নিয়েছে ভিএফএস। এনবিএফসি-এমএফআই হিসেবে ভিএফএস রিজার্ভ ব্যাঙ্ক অফ ইন্ডিয়ার অধীনে নথিভুক্ত। এর মাইক্রোফিন্যান্স অপারেশন শুরু হয়েছিল ২০০৫ সালে। সেই থেকে ভিএফএস বহু স্থানীয় মহিলা উদ্যোগীদের আয়বৃদ্ধি সংক্রান্ত কাজকর্মের জন্য ঋণ প্রদান করেছে ও তাদের আর্থিক অবস্থার উন্নতি সাধনে সহায়তা করেছে। বর্তমানে ভিএফএস-এর উপস্থিতি রয়েছে পশ্চিমবঙ্গ, বিহার, ঝাড়খণ্ড, অসম, ত্রিপুরা, সিকিম ও ওড়িশা-সহ ১১টি রাজ্যে এবং ৬৭টি জেলায় ২২৩টি শাখা অফিসের মাধ্যমে কাজ চালাচ্ছে। এই কোম্পানি ৬ লক্ষেরও বেশি গ্রাহকের জীবনে আয়বর্ধক কর্মমুখী মাইক্রো-ক্রেডিট প্রদানের দ্বারা প্রভাব ফেলেছে। মাইক্রোফিন্যান্স ইনস্টিটিউশনস নেটওয়ার্ক-এর তথ্যানুসারে, দেশের মাইক্রোক্রেডিট সুবিধাপ্রাপ্তদের ৯৯ শতাংশই মহিলা। এনবিএফসি-এমএফআইগুলি প্রধানমন্ত্রী মুদ্রা যোজনার এক গুরুত্বপূর্ণ অংশীদার এবং এই যোজনার অধীনে প্রদত্ত প্রায় ৫০ শতাংশ ঋণ প্রদান হয়েছে মাইক্রোফিন্যান্স কোম্পানিগুলির মাধ্যমে। সকল এনবিএফসি-এমএফআই-য়ের নিয়মিত তত্ত্বাবধান করে থাকে রিজার্ভ ব্যাঙ্ক।

Publication	Dainik Jagran
Edition	Hooghly
Date	08 th May 2019
Page No.	15

देश में हैं 99 फीसद माइक्रो-क्रेडिट लाभार्थी

कोलकाता : माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क के अनुसार, देश में 99 फीसद माइक्रो-क्रेडिट लाभार्थी हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है और इस कार्यक्रम के तहत ऋण संचितरण का लगभग 50 फीसद माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के माध्यम से किया गया है। यह बात कोलकाता स्थित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन (एनबीएफसी-एमएफआई) विलेज फाइनेंशियल सर्विसेज (वीएफएस) के एमडी व सीईओ कुलदीप माइती ने कही है। उन्होंने बताया कि यह महिलाओं को माइक्रो-क्रेडिट सेवाएं प्रदान करता है। वीएफएस ने कई महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वीएफएस ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को आय सृजन गतिविधियों के लिए उन्हें ऋण प्रदान करके उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद की है। कंपनी आय सृजन गतिविधियों के लिए माइक्रो-क्रेडिट का विस्तार करके छह लाख से अधिक ग्राहकों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में सक्षम है। (जास)

Publication	Janpath Samachar
Edition	Hooghly
Date	13 th May, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेंस संस्थान भारत में वित्तीय सेवाओं को आसान बना रही है

मुंबई (आईएनएस)। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन (एनबीएफसी-एमएफआई) विलेजफाइनेंशियल सर्विसेज (वीएफएस) महिला उद्यमियों को माइक्रो-क्रेडिट सेवाएं प्रदान कर रही है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क एक स्व-नियामक संगठन है और भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के एक उद्योग संघ के अनुसार महिलाएं देश में 99 प्रतिशत माइक्रो-क्रेडिट लाभार्थियों का गठन करती हैं। एनबीएफसी-एमएफआई जैसे माइक्रोफाइनेंस संस्थान भारत में वित्तीय सेवाओं की आसान पहुंच प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश में एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान है जो कम आय वाले घरों में उधारकर्ताओं को असुरक्षित ऋण देते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई

का उद्देश्य स्थायी आजीविका का निर्माण करना है। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राहकों को अंतिम मील सेवाएं प्रदान करने के माध्यम से ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडे को बढ़ावा देते हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है और इस कार्यक्रम के तहत ऋण संवितरण का लगभग 50 प्रतिशत माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के माध्यम से किया गया है। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है और कड़ाई से ऋण के आकार, अधिकार, ब्याज दर और उचित व्यवहार सहित (एफपीसी) और उद्योग आधार संहिता के अधिकार से नियंत्रित होते हैं जो उनके काम-काज को नियंत्रित करते हैं। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी-एमएफआई की नियमित देखरेख करता है।

Publication	The Statesman
Edition	Hooghly
Date	09 th May, 2019
Page No.	08

Micro-credit: Women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country, according to a survey. Village Financial Services has played a key role in the success stories of many such women, says a press statement. SNS

Publication	Sambad Prabaha
Edition	Hooghly
Date	18 th May, 2019
Page No.	01

মহিলা উদ্যোগীদের জন্য সহায়তা

নিজস্ব সংবাদদাতা : নন ব্যাঙ্কিং ফিন্যান্সিয়াল কোম্পানি, ভিলেজ ফিন্যান্সিয়াল সার্ভিসেস মহিলাদের জন্য বিশেষ মাইক্রো ক্রেডিট পরিষেবা প্রদান করছে। এর ফলে বহু মহিলা উদ্যোগী ভিএফএস-এর সাহায্য নিয়ে সাফল্যের সঙ্গে কাজ করে চলেছে। নন ব্যাঙ্কিং ফিন্যান্সিয়াল কোম্পানি-মাইক্রো ফিন্যান্স ইনস্টিটিউশন হিসেবে ভিএফএস রিজার্ভ ব্যাঙ্ক অব ইন্ডিয়ার অধীনে নথিভুক্ত। গত ২০০৫ সালে এই সংস্থা তাদের কাজ শুরু করেছিল। সেই থেকে বহু মহিলা উদ্যোগীদের বিভিন্ন কাজের ক্ষেত্রে ঋণ প্রদান করেছে ও তাদের আর্থিক অবস্থার উন্নতি সাধনে কার্যকরী ভূমিকা নিয়েছে এই সংস্থা। বর্তমানে পশ্চিমবঙ্গ, বিহার, ঝাড়খণ্ড, আসাম, ত্রিপুরা, সিকিম ও ওরিশা সহ ১১ টি রাজ্যের। ৬৭টি জেলায় ২২৩টি শাখা অফিসের মাধ্যমে কাজ চালাচ্ছে এই কোম্পানি। ৬ লক্ষেরও বেশি গ্রাহককে কর্মমুখি ঋণ দানের মাধ্যমে সামাজিক ক্ষেত্রে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করেছে এই সংস্থা।

মাইক্রো ফিন্যান্স ইনস্টিটিউশন নেটওয়ার্কের তথ্য অনুসারে দেশের মাইক্রোক্রেডিট সুবিধাপ্রাপ্তদের ৯৯ শতাংশই মহিলা। এনবিএফসি-এমএফআইগুলি প্রধানমন্ত্রী মুদ্রা যোজনার এক গুরুত্বপূর্ণ অংশীদার এবং এই যোজনার অধীনে প্রদত্ত প্রায় ৫০ শতাংশ ঋণপ্রদান হয়েছে মাইক্রো ফিন্যান্স কোম্পানিগুলির মাধ্যমে। সমস্ত এনবিএফসি এমএফআই-এর নিয়মিত তত্ত্বাবধান করে থাকে ভারতের রিজার্ভ ব্যাঙ্ক।

Publication	Himalayan Mirror
Edition	Hooghly
Date	08 th May, 2019
Page No.	02

Microfinance lends a support to women entrepreneurs

Hooghly, May 7 : Anjana Sadhukhan is a resident of Janda, Rajballabhat, Hooghly district of West Bengal and lives with her husband Dilip. Earlier, she was only a home maker and her husband was a laborer. They were facing many financial troubles and were finding it difficult to meet education expenses of their son. Though apprehensive, the couple decided to take a risk of starting a small business. Anjana came to know about Village Financial Services (VFS), a Non-banking Financial Company-Microfinance Institution (NBFC-MFI), which provides micro-credit services to women in her area. She contacted VFS local branch and looking at her entrepreneurial traits and deep urge for achievement, VFS provided her with a loan of Rs. 8000 in 2011. Using this capital, she started a small grocery shop in her house. Now she is in the 7th loan cycle and has timely cleared the loan outstanding for the previous 6 loan cycles. With the help of her husband, she has become a seasoned business person, growing day by day with her grocery shop.

Similar to Anjana's life, Village Financial Services (VFS) has played key role in the success stories of many women entrepreneurs in Sikkim. VFS is a microfinance company registered as an NBFC-MFI under Reserve Bank of India. VFS started Micro Finance Operations in 2005 and has its head office at Kolkata (West Bengal). Since then, VFS has grown and has helped many local women entrepreneurs to improve their economic status by providing them credit for income generating activities. It has touched many lives by helping them to become economically self-sufficient. Today VFS is present in 11 states including West Bengal, Bihar, Jharkhand, Assam,

Tripura, Sikkim and Orissa and covers over 67 districts through 223 branch offices. The company has been able to positively impact the lives of over six lakh clients by extending micro-credit for income generation activities thus giving them a chance to realise their dreams and improve their quality of life.

According to Microfinance Institutions Network, a self-regulatory organisation and an industry association of microfinance industry in India, women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country. Microfinance institutions such as NBFC-MFIs are working towards providing an easy access to financial services to underserved and unbanked population in India.

NBFC-MFIs are the only regulated financial institutions in the country which give unsecured loans to the borrowers from low income households. These institutions fill an unfunded credit gap for women who do not have the wherewithal to provide collateral or security of any sort. The aim of NBFC-MFIs is to build sustainable livelihoods. Through providing last mile financial services even to clients in remote rural areas, these institutions promote the Government's financial inclusion agenda.

NBFC-MFIs are an important partner for Prime Minister MUDRA Yojana and almost 50% of the loan disbursements under this programme have been done through microfinance companies. NBFC MFIs are registered with the Reserve Bank of India and are stringently regulated right from the size of loan, the tenure, the rate of interest and a Fair Practices Code (FPC) and an Industry Code of Conduct (CoC) which governs their functioning. The Reserve Bank conducts regular supervision of all NBFC MFIs.

Publication	The Echo Of India
Edition	Hooghly
Date	14 th May, 2019
Page No.	08

Microfinance lends a support to women entrepreneurs

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, MAY 13/--/ Village Financial Services (VFS) is a Non-banking Financial Company-Microfinance Institution (NBFC-MFI). It provides micro-credit services to women. VFS has played key role in the success stories of many women entrepreneurs.

VFS is a microfinance company registered as an NBFC-MFI under Reserve Bank of India. It started Micro

Finance Operations in 2005. Since then, VFS has grown and has helped many local women entrepreneurs to improve their economic status by providing them credit for income generating activities. Today VFS is present in 11 states including West Bengal, Bihar, Jharkhand, Assam, Tripura, Sikkim and Orissa and covers over 67 districts through 223 branch offices. The company has been able to positively impact the lives of over six lakh clients by extending

micro-credit for income generation activities. According to Microfinance Institutions Network, women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country. NBFC-MFIs are an important partner for Prime Minister MUDRA Yojana and almost 50% of the loan disbursements under this programme have been done through microfinance companies. The Reserve Bank conducts regular supervision of all NBFC MFIs.